दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 24.02.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 24.02.2026 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा ''भारत द्वारा संचालित विशेष सैन्य अभियान : रणनीति साहस और राष्ट्रीय सुरक्षा'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. आरती यादव, सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि ''भारत की रणनीति संयम और सुरक्षा का संतुलित समन्वय है। 1984 में सियाचिन क्षेत्र में पहली बार 'विशेष सैन्य अभियान' **आपरेशन मेघदूत** का संचालन किया था। सियाचिन की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों में यह सैन्य अभियान बहुत ही दुष्कर था। यह विश्व का सबसे ऊचा युद्ध क्षेत्र था, जिस पर भारतीय सेना ने सैन्य अभियान न केवल संचालित किया अपितु उसमें सफलता प्राप्त करते हुए सियाचिन पर अपना अधिपत्य स्थापित किया। वर्ष 1988 में मालदीप में तख्तापलट के विरूद्ध वहॉ की सरकार को सैन्य सहायता **आपरेशन कैक्टस** के माध्यम से उपलब्ध कराई गई थी। इसी तरह **आपरेशन पवन** के माध्यम से तमिल विद्रोहियों के विरूद्ध सैन्य सहायता भारतीय सेना द्वारा प्रदान की गयी थी। लेकिन विशेष अभियान को सही रूप में लोकप्रियता या भारतीय सेना की इस क्षमता से परिचय 29 सितम्बर 2012 को किए गए **सर्जिकल स्ट्राइक** से प्राप्त हुआ, जो 18 सितम्बर, 2016 को जम्मू और काश्मीर के उड़ी में हुए आतंकी हमले के बाद किया गया था। वर्ष 2019 में 14 फरवरी को पुलवामा में सी0आर0पी0एस0 के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था, इस हमले में 40 जवान शहीद हुए। भारत ने प्रतिक्रिया स्वरूप पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी शिविरों के ऊपर **एयर स्ट्राइक** को अंजाम दिया था। पिछले वर्ष 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर पहलगाम में एक आतंकी हमला हुआ जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोग मारे गये। जिसके प्रतिउत्तर में भारत ने 07 मई 2025 को **आपरेशन सिन्दूर** को सम्पादित किया, भारत ने अपने विशेष सैन्य अभियान के माध्यम से समय–समय पर विरोधी शक्तियों को समाप्त किया है।''

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला संकाय पूर्वी परिसर के प्रभारी एवं हिन्दी विभाग के प्रभारी प्रो0 नित्यानन्द श्रीवास्तव ने कहा कि भारत ने **आपरेशन सिन्दूर** तथा **विशेष सैन्य अभियानों** में आधुनिक सैन्य क्षमता का प्रयोग करते हुए पूरी दुनियॉ को अपनी सैन्य शक्ति से अवगत कराते हुए यह चेतावनी भी दे डाली कि भारत किसी प्रकार के युद्ध को लड़ने में सक्षम तथा समर्थ है। भारत ने यह संकेत दिया आतंकी हमलों का जबाब उसी भाषा में देना भारत को आता है। भारत अब अपने नागरिकों पर किए गए आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु किसी प्रकार की सैन्य कार्यवाही करने के लिए तत्पर एवं सचेत है।

उक्त कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया। अतिथि परिचय एवं स्वागत विभागीय शिक्षक डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया एवं आभार ज्ञापन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के शिक्षक डॉ. अंशुमान सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय, डॉ. अखिल श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क